आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–28 अगस्त 2026 भोजपुरी समाचार

देस भर में आजु रक्षाबंधन क तिउहार उछाह के साथे मनावल जा रहल हौ। येह मौका पर बहिनि अपने भाइयन के कलाई पर रंग–बिरंगा राखी बान्हेंलिनि अउर उनके समृद्धि, स्वास्थ्य अउर कल्याण बदे प्रार्थना करेलिनि। भाई अपने बहिनि क रक्षा अउर सहायता बचन देलें। लखनऊ में आयोजित 'बिटिया और बहना–यूपी का गहना' स्नेहबंधन कार्यक्रम में छात्रा लोगि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राखी बन्हलिनि। येह मौका पर मुख्यमंत्री कहलें कि डबल इंजन क सरकार बेटियन क सुरक्षा सम्मान, सिक्षा अउर आत्मनिरभरता बदे लगतारे काम कइ रहलि हौ। उहां के कहलीं कि रक्षाबंधन सरधा अउर भरोसा के साथे समाज के स्वावलम्बन अउर आर्थिक विकासो से जुड़ल तिउहार हौ। एगो रिपोर्ट–

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में करीब 15 करोड़ राखियां बांधी जा रही हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों, हस्तशिल्पियों और दुकानदारों को रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की रोजगार में भागीदारी अब 36 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बड़े शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए निःशुल्क छात्रावास बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 27 से 29 अगस्त तक महिलाओं को सहयात्री के साथ रोडवेज और नगरीय बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार बेटियों को हर क्षेत्र में समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। समाचार कक्ष से अरूण।

****

प्रधानमंत्री जन धन योजना क आजु बारह बरिस पूरा हो गइल हौ। ई देस में वित्तीय समावेसन क तस्वीर बदलले के दिसा में खास पड़ाव हौ। एगो रिपोर्ट–

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले 12 वर्षों में जन धन योजना के अभूतपूर्व परिवर्तनकारी परिणामों का प्रभाव बेमिसाल है। श्री मोदी ने कहा कि जन धन योजना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और देश के लोगों को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में आज ही के दिन किया था। योजना के तहत अब तक 59 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। यह योजना सभी भारतीयों के लिए बैंकिंग पहुंच को सुलभ बना रही है। योजना के तहत महिलाओं के लगभग 56 प्रतिशत खातों सहित 78 प्रतिशत खाते ग्रामीण या अर्ध–शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। दीपेंद्र की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से मैं मनोज।

****

नेपाल–तिब्बत सीमा पर अचक्के आइल बिनासकारी बाढ़ि में मरे वालन क संख्या बढ़ि के चारि सौ ओनहत्तर हो गइल बा अउर सीमा के दुन्नो ओरि एक हजार पांच सौ पैंतालीस लोगि लापता हवें। नेपाल क सुरक्षाकरमी परभावित जिलन से आठ सौ से बेसी लोगिन के सुरक्षित जगहिनि पर पहुंचवले हवें। एगो रिपोर्ट–

भोटेकोशी नदी प्रणाली के स्रोत के पास नई झील बन गई है। इसके टूटने से पानी के एक और तेज बहाव की आशंका है। इससे बचाव कार्यों में बाधा आ सकती है। इस बीच, आज चीन के सिचुआन प्रांत में 5 दशमलव एक तीव्रता के भूकंप के बाद नेपाल में बाढ़ की नई चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने त्रिशुली क्षेत्र में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया है। नेपाल पुलिस ने बताया कि तिब्बत की ओर स्थित एक बांध फिर टूट गया है। वहां के निवासियों और सुरक्षाकर्मियों से सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नेपाल में फंसे 290 भारतीय नागरिक अब भी लापता हैं। उनका पता लगाने और सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। खोज और बचाव कार्यों में सहायता के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात कर उन्हें सहायता का आश्वासन दिया। समाचार कक्ष से मैं सरफिरोजी।

****

इन्वेस्ट यूपी में नियमन के सरलीकरण के दुसरका फेरा के प्रगति क आजु लखनऊ में समीक्षा कइल गइल। केन्द्र अउर राज्य क सीनियर अधिकारी लोगि कारोबारियन आ लोगिन पर अनुपालन क बोझ कम कइले आ कई गो मंजूरियन क प्रक्रिया तेज कइले पर जोर दिहलें। बइठकी क अध्यक्षता केन्द्र सरकार क कैबिनेट सचिवालय क बिसेस सचिव के.के. पाठक कइलें। एहमें कैबिनेट सचिवालय क अतिरिक्त सचिव राहुल शर्मा मौजूद रहलें। बइठकी में खाद्य लाइसेंस, श्रम कानून, वस्तु अउर सेवा कर, अग्नि सुरक्षा, भवन स्वीकृति, सूक्ष्म, लघु आ मध्यम उद्यम अउर बिजुली कनेक्शन से जुड़ल प्रक्रिया के सरल बनवले क समीक्षा भइल। अधिकारी लोगि कहलें कि नियम जरूरी बा बाकिर अनावस्यक बाधा नाहीं बने के चाही। समीक्षा बइठकी में प्रदेस के ओरि से इन्वेस्ट यूपी क मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद, माध्यमिक शिक्षा विभाग क सचिव किंजल सिंह अउर राजस्व विभाग क सचिव दिव्या मित्तल के सथहीं अउरियो अधिकारी सामिल भइलें।

****

सावन महिन्ना के आखिरी दिन्ने आजु प्रदेस भर के मंदिरन अउर शिवालयन में सरधालुअन क भारी भीड़ रहल। काशी में भोरवें से सरधालुअन क लमहर कतार लागल रहल, ओहीं अजोध्या में सरधालु सरजू नदी में आस्था क डुबकी लगवलें अउर पुरान नागेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव क जलाभिषेक कइलें।

****